आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 47 | उज्जैन, मंगलवार 07 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

संसाधनों से समृद्ध और निवेश संभावनाओं से परिपूर्ण है शहडोल -मुख्यमंत्री

शहडोल में प्रदेश की 7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 16 जनवरी को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहडोल जिले में समृद्ध खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के चलते औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं है। प्राकृतिक संसाधनों और औद्योगिक अवसरों से परिपूर्ण इस क्षेत्र में अब औद्योगिक निवेश के नए द्वार खुलेंगे। शहडोल में 16 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली प्रदेश की 7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो क्षेत्रीय विकास के साथ औद्योगिक विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र है शहडोल

खनिज संपदा से भरपूर शहडोल जिला भारत के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में से एक है और यहां की भूमि फायर क्ले, मीथेन गैस और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों से समृद्ध है। सोहागपुर कोलफील्ड, जो एशिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक है, ऊर्जा उत्पादन और खनन उद्योगों के लिए शहडोल को रणनीतिक महत्व प्रदान करता है। यहां की वन संपदा, जैव विविधता और जैविक उत्पाद इसे वन आधारित उद्योगों और औषधीय उत्पादों के क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान बनाती है। शहडोल की भौगोलिक स्थिति इसे औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। यह जिला मध्यप्रदेश को छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से जोड़ता है। बेहतर सड़क और रेलवे नेटवर्क होने से यह क्षेत्र व्यापार और माल परिवहन के लिए उपयुक्त है। यह क्षेत्र औद्योगिक क्लस्टर के रूप में विकसित होने की क्षमता भी रखता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' के रूप में घोषित किया है। इस पहल का उद्देश्य राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास का हब बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन है कि शहडोल जैसे खनिज संसाधन संपन्न क्षेत्र को औद्योगिक और आर्थिक केन्द्र में विकसित किया जाए। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई प्रगतिशील नीतियों को लागू किया है। इनमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली, भूमि और कर प्रोत्साहन, विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्थ्री) और औद्योगिक पार्कों की स्थापना शामिल है।

शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से निवेश और औद्योगिक विकास के लिए नई संभावनाएं सृजित होंगी। इस कॉन्क्लेव में निवेशक, उद्यमी और नीति-निर्माता मिलकर क्षेत्र की क्षमताओं और संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।

रिटायर हुए IC814 के कैप्टन देवी शरण, कंधार ऑपरेशन के गवाह फेयरवेल पर हो गए भावुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरलाइंस एयरक्राफ्ट आईसी 814 के कैप्टन रहे देवी शरण शनिवार को रिटायर हो गए। आईसी 814 वही एयरक्राफ्ट है, जिसे दिसंबर 1999 में कंधार ले जाकर हाईजैक कर लिया गया था।

शनिवार को बतौर पायलट अपनी आखिरी उड़ान भरने के बाद फेयरवेल कार्यक्रम में कैप्टन देवी शरण ने कहा कि %अब यात्री के तौर पर भी मैं हमेशा अपने आस-पास यह सुनिश्चित करूंगा कि सब कुछ सही हो और कुछ गलत न हो रहा हो। मन में हमेशा लोगों की सुरक्षा के लिए संदेह रहेगा।

40 साल तक दी सेवा- कैप्टन देवी शरण ने 1985 में इंडियन एयरलाइंस जॉइन किया था। करीब 40 वर्षों तक कंपनी में अपनी सेवाएं देने के बाद उनकी यह पारी समाप्त हुई। अपने कार्यकाल में कई बेहतरीन और डरावनी यादों के साथ 65 साल की उम्र में कैप्टन देवी शरण रिटायर हो गए।

लीबिया में फंस गए थे कैप्टन- हालांकि कंधार हाईजैक ऐसा इकलौता मामला नहीं था, जब कैप्टन देवी शरण या इंडियन एयरलाइंस के अन्य लोगों को खतरे का सामना करना पड़ा हो। 1 जनवरी 2000 को हाईजैक एयरक्राफ्ट को उड़ाकर भारत वापस लाने के 12 साल बाद एक ऐसा ही और खतरा उनके सामने आ गया था।

त्रिपुरा में बस में लगी आग, 13 छात्र घायल; CM माणिक साहा ने घटना पर लिया संज्ञान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम त्रिपुरा के मोहनपुर में रविवार को एक बस में आग लगने से 13 स्कूली छात्र घायल हो गए। ये सभी पिकनिक मनाने के लिए गए थे। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने बताया कि इनमें से नौ को उपचार के लिए जीबीपी अस्पताल भेजा गया। अन्य चार को प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गई।

उन्होंने बताया कि बस में आग अंदर रखे एक जेनरेटर के फटने के कारण लगी। इस मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने घायल छात्रों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इस घटना से बहुत चिंतित हूं। घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घायल छात्रों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिले। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं।

होमवर्क का सता रहा था डर, 11 साल के लड़कों ने पुलिस को सुनाई अपहरण की कहानी; टीचर की मदद से ऐसे खुला राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में चित्रदुर्ग से एक हैरान करने वाली कहानी सामने आई है। चित्रदुर्ग के पुलिस अधीक्षक रंजीत कुमार बंडारू को एक खतरनाक कॉल आया। जिसने क्राइम थ्रिलर की तरह नाटकीय घटनाओं की एक सीरीज शुरू कर दी। 11 साल के दो लड़कों ने दावा किया कि वे अपहरण की कोशिश से बाल-बाल बच गए। जिससे पुलिस सहित सभी लोग हाई अलर्ट पर आ गए।

यह नाटक इमंगला के पास अब्बिनाहोल गांव में तब हुआ, जब लड़के सुबह 10 बजे अपने स्कूल बैग के बिना घर लौट आए। नियमित रूप से वे सुबह 6.30 बजे धर्मपुरा के लिए बस पकड़ते थे। 9.30 बजे स्कूल में जाने से पहले निजी ट्यूशन में जाते थे। बताया जा रहा है बच्चों ने होमवर्क न करने के डर से ऐसी कहानी बनाई।

कब हुआ पुलिस को शक- बंडारू ने कहा कि उन्हें कुछ गड़बड़ का एहसास हुआ जब स्कूल के शिक्षकों ने दोनों के बारे में कुछ बातें बताई

दोनों लड़के अपने शरारती व्यवहार के लिए जाने जाते हैं और कभी अपना होमवर्क ठीक से नहीं करते हैं।

तब तक, अलग-अलग टीमों के अधिकारी अपहरणकर्ताओं का पता लगाने के लिए रवाना हो गए।

उनका शक तब और बढ़ा जब उन्होंने देखा किसी भी निवासी ने किसी ओमनी वैन को घूमते नहीं देखा था। लड़कों ने दावा किया था कि सफेद मारुति ओमनी में तीन नकाबपोश लोगों ने उनका अपहरण कर लिया था।

ग्राहकों की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, एसबीआई को ठगी मामले में ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में यह स्पष्ट किया कि बैंक अपने ग्राहकों को उनके खातों से की गई अनाधिकृत लेनदेन से बचाने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। कोर्ट ने यह भी कहा कि खाता धारकों को भी सतर्क रहना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी किसी तीसरे पक्ष के साथ साझा न हो। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के खिलाफ दायर की गई याचिका में सुनवाई के दौरान सुनाया। इस मामले में एसबीआई ग्राहक के खाते से 94,204.80 रुपये की धोखाधड़ीपूर्ण लेनदेन की रिपोर्ट की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को इस लेनदेन की जिम्मेदारी लेने का निर्देश दिया और ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैंकों को नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, मामला उस समय सामने आया जब एक ग्राहक ने ऑनलाइन शॉपिंग के बाद अपना सामान लौटाने का प्रयास किया। ग्राहक को रिटेल विक्रेता के कस्टमर केयर के नाम से एक ठग का कॉल आया। ठग ने ग्राहक से मोबाइल ऐप डाउनलोड करने को कहा, जिसके बाद ग्राहक के खाते से अनाधिकृत लेनदेन हो गया। ग्राहक ने दावा किया कि उसने कभी भी ओटीपी या एम-पिन साझा नहीं किया। वहीं, एसबीआई ने अपनी जिम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा कि लेनदेन ग्राहकों द्वारा ओटीपी और एम-पिन साझा करने के कारण अधिकृत था। इस मामले में पहले गुवाहाटी हाई कोर्ट ने एसबीआई को ग्राहक को पूरी राशि वापस करने का निर्देश दिया।

एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी; ठाणे पुलिस ने दर्ज की FIR, आरोपी की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ठाणे पुलिस ने इस आरोप में 26 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक गुलजारी लाल फडतरे ने बताया कि आरोपी की तलाश जारी है, जिसकी पहचान ठाणे शहर के वारली पाडा निवासी हितेश धेंडे के रूप में हुई है। पुलिस टीम की ओर से उसकी तलाश की जा रही है।

इंडिया गेट का नाम बदलकर 'भारत माता द्वार' करें; भाजपा के मुस्लिम नेता ने प्रधानमंत्री मोदी से की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के एक मुस्लिम नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर दिल्ली स्थित इंडिया गेट का नाम बदलने की मांग की है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम भारत माता द्वार करने की मांग की है। इस बारे में पीएम को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा कि जिस तरह मोदी शासन में गुलामी के अन्य दागों को धोया गया है, उसी तरह इंडिया गेट का नाम भी बदला जाना चाहिए।

पीएम मोदी को संबोधित अपनी चिट्ठी में सिद्दीकी ने लिखा , आपको नेतृत्व में भारत के 140 करोड़ भारतीय भाई-बहनों के दिल में राष्ट प्रेम एवं भारतीय संस्कृति के प्रति प्यार में समर्पण की भावना बढ़ी है। जिस प्रकार से आपके कार्यकाल में मुगल आक्रांता और अंग्रेजों द्वारा दिए गए घावों को भरा गया है एवं गुलामी के दागों को धोया है, इससे पूरे भारत में खुशी है। पत्र में सिद्दीकी ने आगे लिखा, महोदय आपने क्रूर मुगल औरंगजेब के नाम पर बनी सड़क का नाम बदलकर ए.पी.जे. कलाम रोड किया, इंडिया गेट पर लगी किंग जॉर्ज पंचम की मूर्ति हटाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाई एवं राजपथ का नाम कर्तव्य पथ करके भारत की संस्कृति से जोड़ा है। उसी प्रकार से इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की कृपा करें। आगे नाम बदलने के फायदे बताते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लिखा, इंडिया गेट को भारत माता द्वार करने से उस स्तम्भ पर दर्ज हजारों शहीद देश भक्तों के नाम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरे प्रस्ताव पर विचार कर भारत माता द्वार करने की कृपा करें।

भारत से पंगा और ट्रूडो का पतन शुरू, आखिर कनाडाई पीएम को क्यों देना पड़ रहा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ पंगा लेने के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। वो किसी भी समय पद छोड़ने की घोषणा कर सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि ट्रूडो बुधवार तक इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि, अभी तक इसका कोई एलान नहीं हुआ है।

भारत से पंगे के बाद फंसे ट्रूडो - अपनी ही लिबरल पार्टी के घेरे में फंसे ट्रूडो पर आरोप है कि वो गिरती अर्थव्यवस्था और पार्टी के भीतर असंतोष समेत देश में बढ़ती घरेलू चुनौतियों से ध्यान भटकाने के लिए भारत के खिलाफ आरोपों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ट्रूडो पर इस कारण पद छोड़ने का दबाव- दरअसल, पिछले साल दिसंबर में कनाडा की वित्त मंत्री रहीं क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने नीतिगत टकराव के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था, जो ट्रूडो सरकार के लिए बड़ा झटका था। वो ट्रूडो के अमेरिकी टैरिफ से निपटने के तरीके और उनकी आर्थिक रणनीति पर नाराज थीं।

क्रिस्टिया के इस्तीफे के बाद ट्रूडो पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है। यहां तक की सीन केसी और केन मैकडोनाल्ड सहित कई बड़े लिबरल पार्टी के सांसदों ने ट्रूडो को सार्वजनिक रूप से पद छोड़ने को कहा है।

कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल के अनुसार, ट्रूडो जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे।

ट्रूडो के इस्तीफा देने से पार्टी के पास कोई स्थाई प्रमुख नहीं रहेगा।

क्यों देना पड़ रहा इस्तीफा- रिपोर्ट के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रूडो अभी पद छोड़ेंगे या नए नेता का चयन होने तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे।

ट्रूडो ने 2013 में लिबरल नेता के रूप में पदभार संभाला था जब पार्टी गहरे संकट में थी और पहली बार हाउस ऑफ कॉमन्स में तीसरे स्थान पर आ गई थी।

दरअसल, ट्रूडो पर इस्तीफा देने का दबाव का कारण ये है कि उनकी पार्टी चुनाव से पहले हुए सर्वेक्षणों में उदारवादी कंजर्वेटिवों से बुरी तरह हार रही है।

ऐसे समय में जब सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अक्टूबर के अंत तक होने वाले चुनावों में लिबरल्स आधिकारिक विपक्षी कंजर्वेटिव्स से बुरी तरह हार सकती है, तो ट्रूडो जल्द इस्तीफा दे सकते हैं।

अगर ट्रूडो इस्तीफा देते हैं तो क्या होगा- अगर ट्रूडो इस्तीफा देते हैं, तो लिबरल पार्टी के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए एक अंतरिम नेता का नाम तय करना होगा। इसके लिए पार्टी को नया नेता चुनने के लिए विशेष कन्वेंशन आयोजित करने होंगे।

पार्टी के लिए चुनौती यह है कि इन कन्वेंशन को आयोजित करने में आमतौर पर महीनों लग जाते हैं और अगर उससे पहले चुनाव हो जाते हैं, तो लिबरल पार्टी ऐसे प्रधानमंत्री के हाथों में होगी जिसे सदस्यों द्वारा नहीं चुना जाएगा। कनाडा में ऐसा कभी नहीं हुआ है।

पाकिस्तानी रेप गैंग को लेकर ब्रिटेन सरकार पर हमलावर हुए एलन मस्क, नये सिरे से जांच की कर दी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया से सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने यूके की राजनीति में भूचाल ला दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर उन्होंने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और लेबर सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

एलन मस्क के इन आरोपों के बाद ब्रिटेन में एक बार फिर चाइल्ड ग्रूमिंग गैंग का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इसमें अब नये सिरे से जांच की मांग उठने लगी है। एलन मस्क ने आरोप लगाया कि कीर स्टार्मर पब्लिक प्रोसेक्यूशन हेड के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान ग्रूमिंग गैंग केस पर निर्णायक रूप से कार्य करने में विफल रहे।

स्टार्मर को बचाने का आरोप- मस्क ने आरोप लगाया कि स्टार्मर ने रेप गैंग को न्याय का सामना किए बिना कमजोर लड़कियों का शोषण करने की इजाजत दी। मस्क ने इसे सरकारी तंत्र की विफलता बताई और कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व वाला क्राउन प्रोसेक्यूशन सर्विस न्याय नहीं दिला सका।

एलन मस्क ने यूके के गृह विभाग के अंतर्गत आने वाले मंत्री जेस फिलिप पर भी निशाना साधा। मस्क ने कहा कि फिलिप ने ओल्डहैम में कथित ग्रूमिंग स्कैंडल के खिलाफ उठ रही पब्लिक इंक्वायरी की मांग को खारिज कर स्टार्मर का बचाव किया था।

ब्रिटेन ने खारिज किया आरोप

मस्क ने जेस फिलिप के फैसले को स्टार्मर को बचाने के लिए राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि यह सिस्टम की विफलता को छिपाने का प्रयास था। एलन मस्क ने इस मामले में नये सिरे से राष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि लेबर सरकार को जल्द से जल्द आम चुनाव कराने चाहिए।

क्या है ट्रांस अटलांटिक सुरंग, खतरनाक प्रोजेक्ट में एलन मस्क के दावे से रोमांच में क्यों US-UK

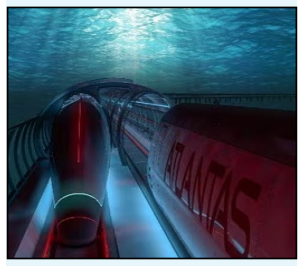

नई दिल्ली (एजेंसी)। अटलांटिक महासागर के नीचे सुरंग के जरिए इसके दो छोरों यानी अमेरिका को यूरोप से जोड़ने वाला एक अतिमहत्वाकांक्षी रेल प्रोजेक्ट की परिकल्पना की गई है, जिसमें 500 से 8000 किमोमीटर प्रति घंटे यानी 310 से 4,970 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलाने की योजना है। चूंकि इसमें अटलांटिक के पार दोनों तरफ यानी अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क को यूरोप में ब्रिटेन की राजधानी लंदन से जोड़ने की परिकल्पना और परियोजना है। इसलिए इसे ट्रांस अटलांटिक सुरंग प्रोजेक्ट कहा गया है।

एलन मस्क का क्या दावा- फिलहाल यह एक सैद्धांतिक सुरंग है लेकिन विश्व के टॉप लीडिंग मेगाप्रोजेक्ट्स एक्सपर्ट्स ने इस योजना को भारी जोखिम वाला प्रोजेक्ट करार दिया है क्योंकि अथाह महासागर के नीचे सुरंग खोदना आसान काम नहीं होगा। इस ट्रांस अटलांटिक सुरंग के निर्माण में 20 ट्रिलियन डॉलर का खर्च आने का अनुमान जताया गया है। हालांकि, टेस्ला के सीईओ और अमेरिकी अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने कहा है कि वह इतनी बड़ी रकम के एक हिस्से में ही इस सुरंग का निर्माण करने में सक्षम होंगे।

तानाशाह किम जोंग का नया फरमान, उत्तर कोरिया में इस डिश को बनाया तो लगेगा 'देशद्रोह'

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने देश के लोगों के लिए एक अजीबोगरीब फरमान निकाला है। पश्चिमी संस्कृति को बुरा मानने वाले किम ने अपने इस आदेश के जरिए लोगों को एक पश्चिमी डिश हॉट डॉग्स खाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब उत्तर कोरिया में हॉट डॉग्स खाना और बनाना दोनों ही देशद्रोह हैं।

एनएचके की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरियाई तानाशाह पश्चिमी देशों की संस्कृति से ज्यादा लगाव नहीं रखते। इसलिए वह वहां से आने वाली हर चीज पर कार्रवाई करते हैं। हाल ही के दिनों में दक्षिण कोरिया में हॉट डॉग्स की खपत में इजाफा हुआ था, जिसे देखते हुए किम जोंग ने अपने देश में सॉसेज परोसने को एक देशद्रोह की श्रेणी का अपराध घोषित कर दिया। तानाशाह के इस आदेश के बाद पुलिस सतर्क हो गई। देश में हॉट डॉग्स बनाते और बेचते कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और कुख्यात श्रम शिविरों में भेज दिया गया। हालांकि हॉट डॉग उत्तर कोरिया में बैन होने वाला पहला खाद्य पदार्थ नहीं है।

तय है एक और युद्ध? अब सामने खड़ा है मुस्लिमों का मसीहा, एक और दुश्मनी बर्दाश्त कर पाएंगे नेतन्याहू?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल-ईस्ट में एक और संघर्ष का आसार बनते नजर आ रहे हैं। इजरायल और तुर्किये के बीच लंबे समय से खटास भरे रिश्ते अब सीधी टकराव की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा से प्रेरित माने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने इजरायल के खिलाफ तीखी बयानबाजी पहले से ही शुरू कर दी थी अब दोनों के बीच मोर्चे पर आमने-सामने की लड़ाई की नौबत आ गई है।

पहले से पनप रहे हैं टकराव के बीच - 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुए गाजा युद्ध ने इजरायल और तुर्किये के संबंधों को और खराब कर दिया। एर्दोगन ने हमास का समर्थन करते हुए इजरायल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। इस्तांबुल में लाखों लोग गाजा के लिए प्रदर्शन करते देखे गए, जहां एर्दोगन ने इजरायल को युद्ध अपराधी करार दिया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और एर्दोगन के बीच पहले भी कड़वाहट रही है, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर दिख रहा है। गाजा युद्ध के दौरान तुर्किये ने न केवल हमास का पक्ष लिया, बल्कि इजरायल के खिलाफ व्यापारिक और राजनीतिक प्रतिबंध भी लगाए।

सीरिया में नई जंग का आगाज- सीरिया में तुर्किये और इजरायल के बढ़ते दखल ने हालात और तनावपूर्ण बना दिए हैं। बशर अल-असद सरकार के गिरने के बाद तुर्किये समर्थित इस्लामी विद्रोहियों और अमेरिकी समर्थित कुर्द समूहों के बीच संघर्ष ने इजरायल और तुर्किये को आमने-सामने ला दिया है। तुर्किये सीरिया में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए सक्रिय है, जबकि इजरायल कुर्द समूहों को समर्थन देकर ईरानी प्रभाव को रोकना चाहता है।

शेख हसीना के खिलाफ यूनुस सरकार ने कसा शिकंजा, एक और गिरफ्तारी वारंट हुआ जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लगातार शेख हसीना के खिलाफ अपना पक्ष मजबूत करने में जुटी हुई है। हाल ही में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध कोर्ट ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके 10 अन्य सहयोगियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। बांग्लादेश में कथित छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था, 5 अगस्त 2024 के बाद से वह भारत में ही हैं।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने शेख हसीना समेत 10 और लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इसमें पूर्व सरकार में रक्षा सलाहकार मेजर जनरल तारिक अहमद सिद्दीकी और पूर्व पुलिस आईजीपी बेनजीर अहमद शामिल है। इन सभी के ऊपर कथित तौर पर गैर-न्यायिक हत्याओं और जबरन गायब करने से संबंधित मामले दर्ज हैं और इन्ही को लेकर इनके खिलाफ वारंट इश्यू किया गया है।

बांग्लादेशी कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए अधिकारियों से कहा कि शेख हसीना समेत बाकी अन्य लोगों को 12 फरवरी तक अदालत में पेश किया जाए। कोर्ट का यह आदेश एक प्रतीकात्मक आदेश ज्यादा है क्योंकि शेख हसीना इस वक्त भारत में रह रही हैं और ऐसे में उनका बांग्लादेश जाना या न जाना पूरी तरह से भारत सरकार पर निर्भर करता है।

आसमान में थी फ्लाइट, तभी इंजन से निकलने लगी आग की लपटें; 76 यात्री थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार की सुबह काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बुद्धा एयर की फ्लाइट संख्या 953 को अचानक आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। विमान के बाएं इंजन में आग की लपटे निकलने के कारण 76 यात्रियों समेत चालक दल के सदस्यों की जान पर संकट मंडराने लगा।

यह विमान काठमांडू से भद्रपुर जा रहा था, लेकिन उड़ान के दौरान इंजन में आई तकनीकी खराबी ने यात्रियों के दिलों की धड़कनें तेज कर दीं। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तकनीकी समस्या के कारण विमान को वापस काठमांडू मोड़ना पड़ा।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुबह 11:15 बजे यह विमान सुरक्षित लैंड हुआ। इस घटना के बाद यात्रियों और उनके परिवारों में राहत की सांस तो जरूर आई, लेकिन खौफनाक पलों ने सभी को हिला कर रख दिया। बुद्धा एयर ने कहा, हमारी तकनीकी टीम विमान की जांच कर रही है। यात्रियों को भद्रपुर भेजने के लिए दूसरी उड़ान की व्यवस्था की जा रही है।

रिपोर्ट्स की मानें तो इस हादसे के बाद काठमांडू एयरपोर्ट को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट बताया गया है कि त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा, फ्लाइट के लैंड होने के बाद अब एयरपोर्ट खोल दिया गया है।

इसरो ने स्पैडेक्स मिशन की डॉकिंग को टाला, अब 9 जनवरी को प्रदर्शन; सफल होते ही दुनिया का चौथा देश बनेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 7 जनवरी को स्पैडेक्स उपग्रह के डॉकिंग तकनीक का प्रदर्शन करने वाला था। मगर अब इसे दो दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। अब 9 जनवरी को इसरो दुनिया के सामने अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीकी का प्रदर्शन करेगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो ऐसा करने वाला भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

इसरो ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि स्पैडेक्स डॉकिंग को अब 9 जनवरी तक स्थगित कर दिया गया है। इसरो ने देरी के कारण हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है।

30 दिसंबर को इसरो ने मिशन किया था लॉन्च- इसरो ने 30 दिसंबर को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। PSLV C60 रॉकेट ने दो छोटे उपग्रहों SDX01 और SDX02 व 24 पेलोड के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के लगभग 15 मिनट बाद करीब 220 किलोग्राम वजन वाले दो छोटे अंतरिक्ष यान को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया था।

पड़ोसियों पर दोष डालना पाकिस्तान का पुराना काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की। विदेश मंत्री ने कहा कि अपनी आंतरिक विफलता के लिए अपने पड़ोसियों को दोषी ठहराना इस्लामाबाद की पुरानी प्रथा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए, इस हमले का उद्देश्य कुछ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था।

हवाई हमलों में, पाकिस्तान ने 24 दिसंबर को पड़ोसी अफगानिस्तान के अंदर पाकिस्तानी तालिबान के कई संदिग्ध ठिकानों को निशाना बनाया, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। ये हमले पाकिस्तान की सीमा से लगे पक्तिका प्रांत के एक पहाड़ी इलाके में किए गए, जहां स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्या कहा- अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने इस मामले में कहा, हमने महिलाओं और बच्चों सहित अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों पर मीडिया रिपोर्टों पर गौर किया है, जिसमें कई कीमती जिंदगियां खो गई हैं।

ड्राइवर की एक गलती और जीप से नीचे गिरीं मां-बेटी, काजीरंगा नेशनल पार्क का वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। छुट्टियां मनाने के लिए जंगल सफारी एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। लेकिन सफारी के दौरान कई चीजों का ध्यान और सावधानी बरतना भी बहुत ज्यादा जरूरी है। जंगल सफारी के दौरान एक छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है।

वहीं, सोशल मीडिया पर असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें जंगल सफारी मां-बेटी के लिए काफी खतरनाक साबित हुई।

वायरल हो रहे एक वीडियो में एक गैंडा पार्क के अंदर एक जीप के पीछे चलता हुआ दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंड में पर्यटकों से भरी तीन जीपें दाईं ओर मुड़ने की तैयारी में हैं। जैसे ही पहली दो जीपें तेज गति से आगे बढ़ती हैं, एक छोटी लड़की और उसकी माँ जमीन पर गिर जाती हैं। जिसके बाद चारों ओर चीख पुकार मच गई। दोनों महिलाएं मदद के लिए चिल्लाने लगी। उसी समय, एक और गैंडा आक्रामक रूप से पर्यटकों की गाड़ी की ओर दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गुस्से में लड़खड़ाते गैंडे को देखकर, तीसरी जीप पीछे हट जाती है। यह घटना कथित तौर पर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बागोरी रेंज में हुई।

दोनों महिलाएँ खतरे से बाल-बाल बच गईं। बताया जाता है कि वे गैंडों से बचने में सफल रहीं और सफलतापूर्वक जीप में वापस चढ़ गईं।

बेंगलुरु में एक और IT इंजीनियर की मौत, फांसी लगाने से पहले बच्चों को खिलाया जहर; पुलिस कर रही जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक मकान में एक ही परिवार के 4 लोग मृत पाए गए हैं। मृतकों की पहचान 38 वर्षीय अनूप कुमार, 35 वर्षीय उनकी पत्नी राखी और 5 वर्षीय बेटी व 2 वर्षीय बेटे के तौर पर हुई है। ये सभी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले थे।

अनूप कुमार एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट थे। मामले की जानकारी मिलते ही सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची और शवों को बरामद किया। हालांकि इनकी मौत कैसे हुई, इसे लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

किराए के मकान में रहता था परिवार - ये सभी लोग बेंगलुरु स्थित आरएमवी स्टेज 2 में किराए के मकान में रह रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम में ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। इलाके के मकान में शव मिलने से लोगों में सनसनी फैल गई।

बेंगलुरु सिटी के डीसीपी शेखर एच टेक्कन्नवर ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मरने वालों में पति-पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। मामले की जांच की जा रही है।

काफी देर तक नहीं खुला दरवाजा- सोमवार सुबह घर पर काम करने वाली मेड पहुंची, तो काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी उसे कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। पड़ोसियों ने पुलिस को बुला लिया। जब पुलिस घर में दाखिल हुई, तब उसे कपल और बच्चों के शव मिले।

शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि अनूप और राखी ने फंदे पर लटकने से पहले अपने बच्चों को जहर खिलाया। बताया जा रहा है कि कपल अपने बड़ी बेटी की स्वास्थ्य समस्या को लेकर काफी परेशान था। उनकी बेटी अनुप्रिया दिव्यांग थी।

पुडुचेरी जाने वाला था परिवार- घर में काम करने वाली महिला ने बताया कि बेटी के कारण कपल मानसिक रूप से काफी परेशान रहता था।

राष्ट्रगान के अपमान पर नाराज हुए तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, गुस्से में छोड़ा सदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में 2025 के पहले विधानसभा सत्र की आज से शुरुआत हुई। नियमों के तहत विधानसभा सत्र की शुरुआत राज्यपाल आरएन रवि के संबोधन से होनी थी। लेकिन विधानसभा सत्र की शुरुआत में तमिलनाडु सरकार के राज्य गीत तमिल थाई वजथु का गायन हुआ।

इस वजह से तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा सत्र के दौरान राष्ट्रगान के अपमान से नाराज हो गए और विधानसभा सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए। परंपरा के अनुसार, जब सदन की बैठक शुरू होती है तो राज्य गान तमिल थाई वल्थु गाया जाता है और अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है। लेकिन राज्यपाल रवि ने इस नियम पर आपत्ति जताई है और कहा है कि राष्ट्रगान दोनों समय गाया जाना चाहिए।

राजभवन की तरफ से आया बयान- राजभवन ने आज राज्यपाल के बहिर्गमन के बाद एक बयान में कहा, यह सभी राज्य विधानसभाओं में राज्यपाल के अभिभाषण की शुरुआत और अंत में गाया जाता है। बयान में आगे कहा गया, आज सदन में राज्यपाल के आगमन पर केवल तमिल थाई वाज्थु गाया गया।

राज्यपाल ने आदरपूर्वक सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और माननीय मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता और माननीय अध्यक्ष हैं से राष्ट्रगान गाने के लिए अपील की।

राज्यपाल ने सदन को सम्मानपूर्वक संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और राष्ट्रगान के वादन की मांग की, लेकिन उनकी अपील को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और सदन के स्पीकर ने खारिज कर दिया। यह गंभीर चिंता की बात है। ऐसे में राष्ट्रगान और भारत के संविधान के अपमान का हिस्सा न बनते हुए राज्यपाल ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए सदन छोड़ दिया।

4 घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा दुर्घटना पीड़ित का शव, 2 राज्य आपस में लड़ते रहे; कहा- यह हमारा मामला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसे में किसी व्यक्ति की मौत हो जाए और उसके बाद दो राज्य आपस में लड़ रहे हों तो ये उनकी मानसिकता और उदासीनता दोनों का परिचय देता है।

दरअसल, पूरा मामला उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की पुलिस के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर था। मिली जानकारी के अनुसार, एक 27 साल के व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिसके बाद उसके शव को लेकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की पुलिस के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर विवाद हो गया। दो राज्यों के बीच हुए विवाद के कारण पीड़ित का शव सड़क पर चार घंटे से अधिक समय तक सड़क पर पड़ा रहा।

घटना स्थल पर आकर वापस चली गई एमपी पुलिस- राहुल अहिरवार घर से दिल्ली के लिए निकले थे और सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। दुर्घटना के बाद इलाके के लोग मौके पर जमा हो गए और उन्होंने मध्य प्रदेश के हरपालपुर थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बताया कि यह मामला उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के महोबकंठ थाने के अंतर्गत आता है। इसके बाद वे वहां से चले गए।

यूपी पुलिस बोली- ये एमपी पुलिस का काम है- जब ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश पुलिस थाने को सूचना दी तो उन्होंने मामले को टालते हुए कहा कि यह मध्य प्रदेश पुलिस का काम है। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया, शव अभी भी दुर्घटनास्थल पर ही पड़ा हुआ था। आखिरकार, दुर्घटना के चार घंटे बाद मध्य प्रदेश पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद ही ग्रामीणों ने सड़क खाली की और यातायात बहाल हुआ।

4 घंटे से ज्यादा समय तक सड़क पर पड़ा रहा शव

घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में पीड़ित के परिवार के सदस्य सड़क पर उसके शव के पास रोते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

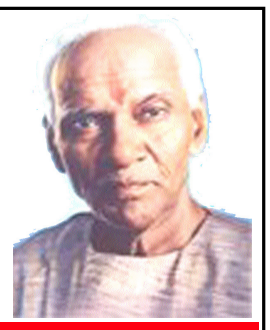

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल अष्टमी

संपादकीय

दुनिया की वेधशालाओं, क्षेत्रीय अध्ययनों और प्रयोगशालाओं में की गई कुछ खोजें

दुनिया की वेधशालाओं, क्षेत्रीय अध्ययनों और प्रयोगशालाओं में की गई कुछ खोजें। उनमें से कुछ निष्कर्ष हमें स्वस्थ बना सकते हैं, जबकि अन्य ब्रह्मांड के बारे में हमारे ज्ञान की बाहरी सीमाओं का विस्तार कर सकते हैं। एक दवा जो एचआईवी को रोकती है एचआईवी/एड्स के खिलाफ टीका विकसित करने के लगभग 40 वर्षों के असफल प्रयासों के बाद, वैज्ञानिकों ने एक ऐसी दवा ढूंढ ली है जो वर्ष में केवल दो बार इंजेक्शन लगाने पर संक्रमण को रोकती है। दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में 2024 में समाप्त हुए एक नैदानिक परीक्षण में 2,134 महिलाओं और लड़कियों के बीच 100% प्रभावकारिता दिखाई गई। नियंत्रण समूह में, लड़कियों और युवा महिलाओं को मौजूदा रोकथाम दवाएं दी गईं, जिन्हें पीआरईपी भी कहा जाता है, जिन्हें दैनिक गोली के रूप में लेने की आवश्यकता होती है। जबकि पीआरईपी ने सैन फ्रांसिस्को में एचआईवी के नए मामलों को लगभग समाप्त कर दिया है, अफ्रीका में कलंक महिलाओं के लिए नियमित रूप से दवा लेना कठिन बना देता है। विज्ञान ने साल में दो बार मिलने वाली नई दवा, लेनकापाविर को 2024 ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर नाम दिया है। गिलियड द्वारा बनाई गई नई दवा, वैक्सीन की तरह काम नहीं करती है। लेकिन वैज्ञानिक ऐसे टीके को नहीं छोड़ रहे हैं, जिसकी लागत कम होने की संभावना है और जो लोगों को स्थायी रूप से सुरक्षित कर सके। गिलियड दवा को 2025 के मध्य में मंजूरी मिलने की संभावना है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह उन लोगों के लिए सस्ती और सुलभ होगी या नहीं जिन्हें इसकी आवश्यकता है। एआई मानव मानस में गहराई से उतरता है एआई विज्ञान के हर क्षेत्र को हिला रहा है, लेकिन सामाजिक वैज्ञानिकों ने इसका उपयोग विशेष रूप से विशिष्ट नई अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया है। वे मनुष्यों के सोचने के तरीके का अध्ययन करने के लिए बड़े भाषा मॉडल का उपयोग करते हैं और उन तरीकों का पता लगाते हैं जिनसे हम बेहतर सोच सकते हैं। सितंबर में प्रकाशित एक अध्ययन में, मनोवैज्ञानिकों ने खुद को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने साजिश सिद्धांतकारों को यह मानने के लिए एआई चैटबॉट को प्रशिक्षित किया कि वे गलत हो सकते हैं। इसने काम किया। लोगों ने विदेशी लैंडिंग को छुपाने या जैविक हथियारों के साथ जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए नापाक साजिशों में अपना विश्वास छोड़ दिया। षडयंत्र सिद्धांतकार अक्सर अपने विश्वासों का समर्थन करने के लिए संदिग्ध सबूतों के ढेर इकट्ठा करते हैं, जिससे उन इंसानों को थका दिया जाता है जिनके पास बनाए रखने के लिए समय या ऊर्जा नहीं होती है। सबूतों की मात्रा के मामले में चैटबॉट उनका मिलान कर सकते हैं। इस वर्ष प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि एआई द्वारा सही उत्तर सुझाए जाने के बाद भी डॉक्टर अक्सर गलत निदान करते हैं। चैटजीपीटी-4 के खिलाफ निदान प्रतियोगिता में भाग लिया गया, तो ऐआई ने केस रिपोर्ट से ली गई 90% स्थितियों का सही निदान किया, जबकि डॉक्टरों ने 74% सही पाया। जब डॉक्टरों को एआई से परामर्श करने की अनुमति दी गई, तो वे केवल 76% मामलों में ही सटीक थे। वे अपने पहले अंतर्ज्ञान के बारे में बहुत आश्वस्त थे। एआई से पूरी तरह से लाभ उठाने में डॉक्टरों की विफलता से पता चलता है कि इसमें सुधार की गुंजाइश है कि उन्हें इसका उपयोग करने के लिए कैसे प्रशिक्षित किया जाता है और एआई को उनकी मदद के लिए कैसे प्रशिक्षित किया जा सकता है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, एआई लोगों को समाचारों की तथ्य-जांच में मदद करने में बहुत अच्छा नहीं था। चैटजीपीटी-4 ने कभी-कभी लोगों के अनिश्चित होने पर नकली सुर्खियों में विश्वास बढ़ा दिया और जब कोई त्रुटि हुई तो उन्हें वास्तविक सुर्खियों पर अविश्वास करने पर मजबूर कर दिया। एआई तब सबसे अच्छा काम करता प्रतीत होता है जब यह हमें अलग तरह से सोचने के लिए प्रेरित करता है, न कि तब जब हम अपने बारे में सोचने के लिए इस पर भरोसा करते हैं। जहाज सुदूर समुद्री दुनिया के लिए रवाना हुआ 14 अक्टूबर को, 5 बिलियन डॉलर का अंतरिक्ष यान यूरोपा क्लिपर बजट कटर की पहुंच से काफी ऊपर चला गया।

जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन

सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन का भारतीय विद्याविशारदों में, विशेषत भाषाविज्ञान के क्षेत्र में एवं लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ़ इंडिया के प्रणेता के रूप में अमर स्थान है। ग्राउस और बीम्स की भाँति वे भी इंडियन सिविल सर्विस के कर्मचारी थे। उनका जन्म डब्लिन के निकट 7 जनवरी, 1851 को हुआ था। उनके पिता आयरलैंड में क्रौंस प्रिंटर थे। 1868 से डब्लिन में ही उन्होंने संस्कृत और हिंदुस्तानी का अध्ययन प्रारंभ कर दिया था। बीज़ स्कूल श्यूज़बरी, ट्रिनटी कॉलेज, डब्लिन और कैंब्रिज तथा हले जर्मनी में शिक्षा ग्रहण कर 1853 में वे इंडियन सिविल सर्विस के कर्मचारी के रूप में बंगाल आए और प्रारंभ से ही भारतीय आर्य तथा अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन की ओर रुचि प्रकट की। 1880 में इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स, बिहार और 1869 तक पटना के ऐडिशनल कमिश्नर और औपियम एजेंट, बिहार के रूप में उन्होंने कार्य किया। सरकारी कामों से छुट्टी पाने के बाद वे अपना अतिरिक्त समय संस्कृत, प्राकृत, पुरानी हिंदी, बिहारी और बंगला भाषाओं और साहित्यों के अध्ययन में लगाते थे। जहाँ भी उनकी नियुक्ति होती थी वहीं की भाषा, बोली, साहित्य और लोकजीवन की ओर उनका ध्यान आकृष्ट होता था। ग्रियर्सन ने रामचरितमानस को करोड़ों लोगों की बाइबिल कहा है।

महत्त्वपूर्ण खोज कार्य

1873 और 1869 के कार्यकाल में ग्रियर्सन ने अपने महत्त्वपूर्ण खोज कार्य किए। उत्तरी बंगाल के लोकगीत, कविता और रंगपुर की बँगला बोली जर्नल ऑफ दि एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल राजा गोपीचंद की कथा मैथिली ग्रामर सेवेन ग्रामर्स ऑफ दि डायलेक्ट्स ऑफ दि बिहारी लैंग्वेज इंट्रोडक्शन टु दि मैथिली लैंग्वेज; ए हैंड बुक टु दि कैथी कैरेक्टर, बिहार पेजेंट लाइफ, बीइग डेस्क्रिप्टिव कैटेलाग ऑफ दि सराउंडिंग्ज ऑफ दि वर्नाक्युलर्स, जर्नल ऑफ दि जर्मन ओरिएंटल सोसाइटी, कश्मीरी व्याकरण और कोश, कश्मीरी मैनुएल, पद्मावती का संपादन महामहोपाध्याय सुधाकर द्विवेदी की सहकारिता में, बिहारी कृत सतसई का संपादन, नोट्स ऑन तुलसीदास, दि माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान आदि उनकी कुछ महत्त्वपूर्ण रचनाएँ हैं।

सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ

ग्रियर्सन की ख्याति का प्रधान स्तंभ लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया ही है। 1885 में प्राच्य विद्याविशारदों की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ने विएना अधिवेशन में भारतवर्ष के भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता का अनुभव करते हुए भारतीय सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया। फलत- भारतीय सरकार ने 1888 में ग्रियर्सन की अध्यक्षता में सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया।

1888 से 1903 तक उन्होंने इस कार्य के लिये सामग्री संकलित की।

1902 में नौकरी से अवकाश ग्रहण करने के पश्चात् 1903 में जब उन्होंने भारत छोड़ा सर्वे के विभिन्न खंड क्रमश- प्रकाशित होने लगे।

ग्रियर्सन के सर्वे 21 जिल्दों में है और उसमें भारत की 179 भाषाओं और 544 बोलियों का सविस्तार सर्वेक्षण है। साथ ही भाषाविज्ञान और व्याकरण संबंधी सामग्री से भी वह पूर्ण है।

ग्रियर्सन कृत सर्वे अपने ढंग का एक विशिष्ट ग्रंथ है। उसमें हमें भारतवर्ष का भाषा संबंधी मानचित्र मिलता है और उसका अत्यधिक सांस्कृतिक महत्व है। दैनिक जीवन में व्यवहृत भाषाओं और बोलियों का इतना सूक्ष्म अध्ययन पहले कभी नहीं हुआ था। बुद्ध और अशोक की धर्मलिपि के बाद ग्रियर्सन कृत सर्वे ही एक ऐसा पहला ग्रंथ है जिसमें दैनिक जीवन में बोली जानेवाली भाषाओं और बोलियों का दिग्दर्शन प्राप्त होता है।

सर की उपाधि

ग्रियर्सन को सरकार की ओर से 1894 में सी.आई.ई. और 1912 में सर की उपाधि दी गई। अवकाश ग्रहण करने के पश्चात् ये कैंबले में रहते थे। आधुनिक भारतीय भाषाओं के अध्ययन क्षेत्र में सभी विद्वान् उनका भार स्वीकार करते थे। 1876 से ही वे बंगाल की रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के सदस्य थे। उनकी रचनाएँ प्रधानत- सोसायटी के जर्नल में ही प्रकाशित हुई। 1893 में वे मंत्री के रूप में सोसाइटी की कौंसिल के सदस्य और 1904 में ऑनरेरी फेलो मनोनीत हुए। 1894 में उन्होंने हले से पी.एच.डी. और 1902 में ट्रिनिटी कॉलेज, डब्लिन से डी.लिट्. की उपाधियाँ प्राप्त कीं। वे रॉयल एशियाटिक सोसायटी के भी सदस्य थे।

निधन

ग्रियर्सन की मृत्यु 1941 में हुई।

उपलब्धियाँ

ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहाँ के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था। भारतीय भाषाविज्ञान के वे महान् उन्नायक थे। नव्य भारतीय आर्यभाषाओं के अध्ययन की दृष्टि से उन्हें बीम्स, भंडारकर और हार्नली के समकक्ष रखा जा सकता है। एक सहृदय व्यक्ति के रूप में भी वे भारतवासियों की श्रद्धा के पात्र बने। उनके द्वारा प्राप्त महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं -

जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन सन् 1868 में राबर्ट एटकिंसन से संस्कृत वर्णमाला का ज्ञान प्राप्त किया।

इन्होंने भारत की पौराणिक गाथाओं में इतिहास का दर्शन किया और ग्रामीणों की कहावतों में ज्ञान प्राप्त किया। ये वेद, दर्शन और संस्कृत से भी बहुत प्रभावित थे। इनके सहायकों में गौरीकांत, स्टेनकोनों, ई. एच. हाल आदि रहे हैं। एक भाषा - वैज्ञानिक एवं इतिहासकार के रूप में ये प्रसिद्ध हैं।

इन्होंने बिहार में काम करना प्रारम्भ किया था। वहीं इन्होंने बिहारी भाषाओं का अध्ययन किया और बिहारी भाषाओं के सात व्याकरण 1883 से 1887 ई. तक प्रकाशित किये।

ग्रियर्सन को हिन्दी से अतिशय प्रेम था। इसीलिए इन्होंने 33 वर्ष तक पर्याप्त परिश्रम कर असंख्य व्यक्तियों से पत्राचार एवं सम्पर्क स्थापित करके भारतीय भाषाओं एवं बोलियों के विषय में भरसक प्रामाणिक आँकड़े और विवरण एकत्र किये। भाषाओं और बोलियों के सम्बन्ध में खोज तथा छानबीन का इतना विशाल एवं विस्तृत प्रयत्न किसी भी देश में नहीं किया गया। अंग्रेज़ी में यह 11 जिल्दों में प्रकाशित हुआ था।

ग्रियर्सन के ही शब्दों में इसका विवरणात्मक भाग दो हिस्सों में विभक्त है। पहले का शीर्षक भूमिका है और इसमें उन सभी पूर्व प्रयत्नों का विवरण प्रस्तुत है, जो भारत की भाषाओं के अध्ययन के सम्बन्ध में किये गये थे। दूसरे भाग में सर्वेक्षण के परिणामों तथा उन प्राप्त शिक्षाओं पर दृष्टिपात करने का प्रयत्न किया गया है। इन दो खण्डों के अतिरिक्त इस सर्वेक्षण में दो अन्य संग्रह भी है जिनमें समस्त सर्वेक्षण के लिए बृहत योग एवं लघु योग तथा शोधनीय सामग्री है। अंत में तीन परिशिष्ट भी जोड़े गये है। इनमें भारत की सभी भाषाओं की वर्गीकृत सूची, उन भाषाओं की सूची, जिनके ग्रामोफोन रेकार्ड इस देश में तथा पेरिस में उपलब्ध हैं तथा सभी भारतीय भाषाओं के नाम हैं। इसमें विभिन्न भाषाओं के नमूने भी हैं।

भाषा- सर्वेक्षण नामक यह ग्रंथ साहित्य, भाषा तथा उसके इतिहास के लिए एक अनुपम सन्दर्भ ग्रंथ है।

वे इसे 1894 से प्रारम्भ कर 1927 ई. में समाप्त कर सके। इसी से उसकी विशालता का अन्दाजा लगेगा।

इसके अतिरिक्त इनकी एक पुस्तक माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ़ नादर्न हिन्दुस्तान भी है, जिसका प्रकाशन सन् 1889 ई. में हुआ।

1906 ई. में पिशाच भाषा तथा 1911 में कश्मीरी पर भी इनके प्रामाणिक ग्रंथ निकले। 1924 में 4 भागों में इनका कश्मीरी कोश प्रकाशित हुआ।

ग्रियर्सन का भाषा सम्बन्धी वर्गीकरण भले ही उचित न हो पर महत्त्वपूर्ण अवश्य है। उनकी दृष्टि में हिन्दी, हिन्दुस्तानी का ही एक रूप है। हिन्दुस्तानी को उन्होंने मूल भाषा माना है। इसकी परिणति वे उर्दू में मानते हैं।

विमान में यात्रियों को हेल्थ प्रॉब्लम से मिलेगी राहत! बोर्डिंग से पहले एक्सरसाइज कराएगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब हवाई यात्रियों के लिए एक नई पहल शुरू हो रही है। इसके तहत एयरपोर्ट पर यात्रियों को विमान में सवार होने से पहले व्यायाम करना होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए आदेश भी जारी कर दिया है। व्यायाम कराने की जिम्मेदारी CISF को दी गई है। आइए जानते हैं कि स्वास्थ्य मंत्रालय की नई पहल क्या है और इसकी शुरुआत क्यों की गई है।

क्या है स्वास्थ्य मंत्रालय की नई पहल- स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, हर यात्री को बोर्डिंग यानी विमान में चढ़ने से पहले 2 से 3 मिनट तक शारीरिक व्यायाम कराया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी एयरपोर्ट पर तैनात CISF के जवान उठाएंगे। हालांकि, यह पूरी तरह से स्वैच्छिक रहेगा। इसका मतलब है कि अगर यात्री किसी भी वजह से एक्सरसाइज नहीं करना चाहता, तो वो सीधे मना कर सकता है।

बोर्डिंग से पहले एक्सरसाइज जरूरी क्यों- इस पहल का मकसद यात्रियों को हेल्दी ट्रैवल का एक्सपीरियंस देना है, क्योंकि स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों की अकड़न को रोकने में मदद मिलती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार होता है। यह डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) के जोखिम को कम करता है। साथ ही, हैमस्ट्रिंग, कूल्हों, कंधों और गर्दन जैसे अंगों की मांसपेशियों में आने वाले तनाव को कम करता है।

पहली बार एयरपोर्ट पर ऐसी पहल की शुरुआत- दावा किया जा रहा है कि यह दुनिया भर के एयरपोर्ट पर अपनी तरह का पहला कदम है। CISF जवानों ने रविवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों को विमान में चढ़ने से पहले व्यायाम कराया, ताकि यात्रा का अनुभव थकावट भरा न रहे। सरकार सभी विमानन कंपनियों को भी इस कार्यक्रम को अपनाने और उसका विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

ज्यादा वेटिंग पीरियड की समस्या में भी मदद- कई यात्री बोर्डिंग गेट पर काफी लंबे समय तक इंतजार करते हैं और वे इस दौरान बोर भी हो जाते हैं। सरकार की एक्सरसाइज वाली पहल से उनकी बोरियत को कम करने में भी मदद मिलेगी। अधिकारियों के मुताबिक, यह पहल न सिर्फ यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसे लंबे समय तक बैठने या देरी के कारण होने वाली परेशानी को रोकने में मदद मिलेगी। सीआईएसएफ ने अपने जवानों को छह तरह की स्ट्रेचिंग का प्रशिक्षण दिया है।

पाइप कंपनी के शेयर को बेच रहे निवेशक, भाव में 60% से ज्यादा उछाल का है अनुमान

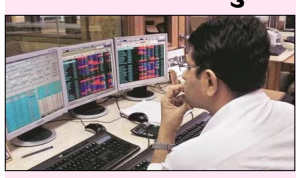

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच सोमवार को पाइप कंपनी-हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर भी बिकवाली मोड में नजर आ रहे हैं। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल का अनुमान है कि यह शेयर 700 रुपये के स्तर को पार कर सकता है। इसके साथ ही ब्रोकरेज ने शेयर खरीदने की सलाह दी है।

क्या है शेयर प्राइस- सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर 477 रुपये के निचले स्तर तक आ गए। शेयर के 52 हफ्ते का लो 441.05 रुपये है। शेयर का यह भाव मार्च 2024 में था। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का हाई 885.05 रुपये है। अगस्त 2024 में शेयर इस भाव पर था।

ब्रोकरेज का टारगेट प्राइस- हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज ने सोमवार को शेयर के लिए खरीदें रेटिंग दी है। शेयर के लिए टारगेट प्राइस 785 है। यह शेयर के 60% की संभावित वृद्धि को दिखाता है। ब्रोकरेज के अनुसार हरिओम पाइप इंडस्ट्रीज अपनी क्षमता में वृद्धि, अपने डीलर नेटवर्क के माध्यम से उत्पादों की बिक्री में तेजी और अनुकूल उद्योग गतिशीलता के कारण ग्रोथ के लिए तैयार है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा कि कंपनी का बैकवर्ड-इंटीग्रेटेड मॉडल इसके स्ट्रैटजिक प्रोसेस का प्रमाण है। कंपनी की क्षमताओं में बढ़ोतरी हो रही है।

शेयर मार्केट हुआ धड़ाम, जानिए किस वजह से सेंसेक्स-निफ्टी में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार (6 दिसंबर) को क्रैश हो गया है। इसकी वजह ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस को बताया जा रहा है। यह वायरस चीन में काफी तेजी से फैल रहा है और अब इसकी एंट्री भारत में भी हो गई है। बेंगलुरु में 8 महीने का बच्चा HMPV Virus से संक्रमित पाया गया है। कर्नाटक में ही इस वायरस का दूसरा मामला सामने आया है। इसी खबर के शेयर मार्केट एकदम से क्रैश हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी एक-एक फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

HMPV Virus क्या है और कितना - एचएमपीवी सांस संबंधी वायरस है। इसके लक्षण सर्दी जैसे हैं, लेकिन यह उससे अधिक अधिक घातक है। इससे बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा खतरा है क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा कमजोर होती है। इससे सांस संबंधी पुरानी बीमारियां गंभीर रूप ले सकती हैं।

हालांकि, अभी हेल्थ एक्सपर्ट दावा रहे हैं कि HMPV वायरस कोविड-19 की तरह जानलेवा या घातक नहीं है। बस कुछ व्यक्तियों में यह फेफड़ों के संक्रमण का कारण बन सकता है।

HMPV Virus की वजह से क्रैश हुआ शेयर बाजार- एक्सपर्ट का मानना है कि HMPV Virus ने निवेशकों की चिंता जरूर बढ़ाई है, क्योंकि निवेशकों को कोरोना काल याद है। आने वाले कुछ दिनों में शेयर मार्केट की चाल HMPV Virus से जरूर प्रभावित होगी। आज सेंसेक्स की टॉप-30 में से सिर्फ 5 कंपनियां हरे निशान में है।

टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा में तीन-तीन फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। निफ्टी 50 भी करीब डेढ़ फीसदी की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। आज मिड कैप और स्मॉल कैप के अधिकतर शेयरों में 4 से 5 फीसदी का करेक्शन देखने को मिल रहा है।

क्रैश हुआ अडानी का यह शेयर, बाजार में भूचाल के बीच 60 के नीचे आया भाव

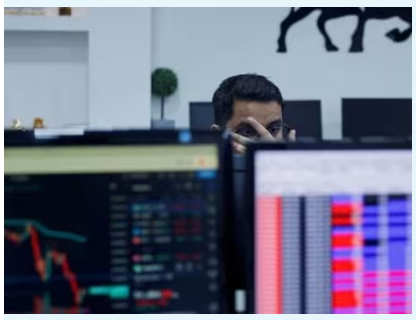

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर भी बिकवाली मोड में नजर आए। इनमें से एक शेयर में तो इतनी बड़ी गिरावट आई कि भाव 52 हफ्ते के लो पर आ गया। यह शेयर है सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इस सीमेंट कंपनी के शेयर की कीमत 60 रुपये से भी नीचे पहुंच गई। बता दें कि सोमवार को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स करीब 1300 अंक टूटकर 78 हजार अंक के नीचे आ गया। इसी तरह, निफ्टी में भी बड़ी गिरावट देखी गई।

अभी शेयर की कीमत- सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर की पिछली क्लोजिंग 62.17 रुपये थी। इस भाव के मुकाबले शेयर 4 फीसदी से ज्यादा टूटकर 59.77 रुपये के भाव पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। बता दें कि 15 जनवरी 2024 में इस शेयर की कीमत 156.20 रुपये तक पहुंच गई थी।

यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। सांघी इंडस्ट्रीज के बारे में बात करें तो इस कंपनी का अधिग्रहण अंबुजा सीमेंट ने किया था। अंबुजा सीमेंट अडानी समूह की लीडिंग सीमेंट कंपनी है।

पहले ही दिन हो सकता है 90% से ज्यादा फायदा, GMP कर रहा इशारा, अभी है दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक छोटी कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज के आईपीओ पर लोग जमकर दांव लगा रहे हैं। फैबटेक टेक्नोलॉजीज का आईपीओ शुरुआती दो दिन में ही 145 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए अभी खुला हुआ है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 7 जनवरी 2025 तक ओपन है। कंपनी के शेयरों को ग्रे मार्केट में भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में 90 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 27.74 करोड़ रुपये तक का है।

165 रुपये के करीब लिस्ट हो सकते हैं कंपनी के शेयर- फैबटेक टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 85 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 80 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम पर फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयर 165 रुपये के करीब लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में जिन इनवेस्टर्स को कंपनी के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 94 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार 10 जनवरी 2025 को बाजार में लिस्ट होंगे। कंपनी के शेयर BSE के SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज के आईपीओ पर सब्सक्रिप्शन के दूसरे दिन 6 जनवरी को शाम 4 बजे तक 145.09 गुना दांव लग गया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 226.49 गुना सब्सक्राइब हो गया है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 142.17 गुना दांव लग गया है। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 4.45 गुना दांव लगा है।

1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का मिला ऑर्डर, शेयरों में तूफानी तेजी, दनादन 2 बार बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर सोमवार को इंट्रा में 5 पर्सेंट से ज्यादा के उछाल के साथ 795.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा प्रोजेक्ट मिलने की वजह से आया है। कंपनी को गुजरात में सोलर पीवी प्रोजेक्ट के डिवेलपमेंट का काम मिला है। जेनसोल इंजीनियरिंग को मिला यह प्रोजेक्ट 1061.97 करोड़ रुपये का है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1377.10 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 712 रुपये है।

मल्टीबैगर कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग को यह ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट एक नामी पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग से मिला है। इस प्रोजेक्ट में गुजरात के खावड़ा के आरई सोलर पार्क में 275 MW सोलर पीवी प्रोजेक्ट का डिवेलपमेंट किया जाना है। इस प्रोजेक्ट में 3 साल के लिए ऑपरेशन एंड मेंटीनेंस सर्विसेज का काम भी शामिल है। जेनसोल इंजीनियरिंग इंड-टू-इंड ईपीसी और सोलर एडवायरी सर्विसेज ऑफर करती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

नए वर्ष में ठंड का असर बढ़ने से साग-सब्जियों के भावों में कमी आने लगी है

बड़वानी। नए वर्ष में ठंड का असर बढ़ने से साग-सब्जियों के भावों में कमी आने लगी है। कुछ माह पूर्व तक अपने रंग अनुरुप सुर्ख भावों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाला टमाटर अब बेभाव हो चुका है। हालत यह है कि स्थानीय सब्जी मंडी में भाव नहीं मिल रहे हैं।

ऐसे में लागत व परिवहन का खर्च भी नहीं निकलने पर किसान अपनी फसल मवेशियों को खिलाने को मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र के किसान टमाटर के साथ ही फूल गोभी के भी भाव नहीं मिलने पर मवेशियों को खिला रहे हैं। मवेशियों को खिलाने को मजबूर सेगांव के किसान राधेश्याम गेहलोत ने बताया कि खेत में टमाटर लगाए थे। उत्पादन भी अच्छा निकल रहा है, लेकिन मंडियों में भाव नहीं मिलने से लागत निकालना तो दूर, मंडी तक उपज ले जाने का परिवहन महंगा पड़ने लगा है। ऐसे में खेत से निकली फसल को मवेशियों को खिलाने को मजबूर हो रहे हैं।

मवेशियों को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं

किसानों के अनुसार जब टमाटर के भाव बढ़ते है तो देश-प्रदेश में खासा हल्ला मचाया जाता है, लेकिन जब भाव औंधे मुंह गिरते है तो किसानों का पक्ष नहीं लेता। किसानों की मानें तो इस फसल के लिए शासन से न तो कोई अनुदान मिलता है और न ही सब्जियों की तरह टमाटर पर एमएसपी लागू है।

ऐसे में सीजन में कई बार टमाटर सहित अन्य सब्जियां बेभाव बिकने से किसानों के सामने अपनी उपज को फेंकने की बजाय मवेशियों को खिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता। उत्पादन पर अनुदान नहीं, प्रोसेसिंग पर अनुदान

किसानों के अनुसार अभी टमाटर के भाव बेभाव हो गए है। शासन टमाटर पर कोई अनुदान नहीं देती, लेकिन टमाटर का केचअप बनाकर बेचने वाले उद्योग पर 50 फीसदी तक अनुदान देती है।

किसान के एक किलो टमाटर की आज 10 रुपये कीमत नहीं है, लेकिन बाजार में 100 ग्राम केचअप इससे अधिक राशि में बिकता है। हालांकि शासन किसानों को कैचअप उद्योग के लिए प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन क्षेत्र में उद्योग-कारखाने नहीं होने से किसानों को इसका वाजिब लाभ नहीं मिल पाता।

किसान मंसाराम पंचोले के अनुसार जिल के कई गांवों में किसान टमाटर की खेती करते है। वर्तमान में इसका भाव औंधे मुंह गिरने से मंडियों में खरीदार नहीं मिल रहे है। वहीं जो भाव दिए जा रहे हैं, वो किसानों की फसल की लागत अनुरूप नहीं है।

हालत यह हो गई है कि मात्र 2 से 3 रुपये किलो में टमाटर खरीदी की जा रही है, जबकि उत्पादन लागत ही इससे तीन गुना लगती है। उधर सब्जी विक्रेताओं के अनुसार ठंड के दिनों में सब्जियों के दामों में कमी आती है।

बाजार में खेरची में टमाटर 8 से 9 रुपये किलो मिल रहा है। खेरची में 15 से 20 रुपये किलो तक बिक रहा है। भावों में कमी का सीधा कारण अधिक उत्पादन होना और मांग कम होना है।

इसी तरह दो दिन पूर्व राजपुर क्षेत्र के ऊंची गांव के किसान रामलाल ने मंडियों में भाव नहीं मिलने पर दो एकड़ में लगाई गोभी फसल मवेशियों के हवाले कर दी। गोभी तुड़ाई का खर्च न हो, इसके लिए खेत में ही मवेशियों को छोड़कर फसल खिला दी। किसान के अनुसार मंडी में गोभी के दाम भी चार से पांच रुपये किलो मिल रहे हैं, जो घाटे का सौदा साबित हो रहा है।

ग्वालियर में घने कोहरे के साथ शीतलहर, मप्र में अगले 48 घंटों में कड़ाके की ठंड

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदलने से कहीं-कहीं बादल छाने लगे हैं। इससे रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो गई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने पर हवाओं का रुख फिर उत्तरी होने से सात जनवरी से न्यूनतम तापमान में फिर गिरावट होने के आसार हैं।

उधर, रविवार को प्रदेश में सबसे कम चार डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में रिकार्ड हुआ। मंडला में शीतलहर का प्रभाव रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 4.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा। भिंड, मुरैना एवं ग्वालियर में घना कोहरा रहा। लगातार तीसरे दिन ग्वालियर एयरपोर्ट पर सुबह के समय दृश्यता शून्य पर पहुंच गई थी। खजुराहो एवं रीवा एयरपोर्ट पर दृश्यता 50 मीटर रही। 10 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान

प्रदेश के 17 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। रविवार को सीधी, सतना, रीवा एवं खजुराहो में शीतल दिन रहा। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान एवं उससे लगे जम्मू के आसपास हवा के ऊपरी भाग में द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान एवं उससे लगे पाकिस्तान पर भी हवा के ऊपरी भाग में प्रेरित चक्रवात बना हुआ है। उत्तरी पंजाब से लेकर अरब सागर तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो राजस्थान पर बने प्रेरित चक्रवात से होकर गुजर रही है। उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम बना हुआ है।

हवाओं के साथ नमी आने के कारण प्रदेश में अधिकतर जिलों में बादल छाने लगे हैं। इस वजह से रविवार को अधिकतम तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को न्यूनतम के अलावा अधिकतम तापमान में भी कुछ बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने और हवाओं का रुख उत्तरी होने पर सात जनवरी से रात के तापमान में फिर गिरावट होने लगेगी।

स्टेयरिंग फेल होने से एक डंपर अनियंत्रित होकर एक मकान में जा घुसा

खंडवा। स्टेयरिंग फेल होने से एक डंपर अनियंत्रित होकर एक मकान में जा घुसा। जिससे यहां बंधी दो बकरियों की मौत हो गई। वहीं मकान का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मामला धनगांव थाना क्षेत्र के ग्राम सुलगांव का है। हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे राखड़ से भरा डंपर स्टेयरिंग फेल होने के बाद अनियंत्रित होकर एक मकान में घुसा और पलट गया। घटना सुलगांव के नंदानगर में पुनासा-सनावद बायपास की है। डंपर की चपेट में आने से पक्के मकान का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं दो बकरियों की मौत भी हुई है। गनीमत रही कि जहां डंपर घुसकर पलटा, वहां कोई नहीं था, नहीं तो बड़ा हादसा भी हो सकता था। काफी देर तक डंपर चालक लखीमपुर हरियाणा निवासी जोगासिंह डंपर में फंसा रहा। जिसे स्थानीय लोगों ने मशक्कत कर बाहर निकाला। ओंकारेश्वर की 108 एंबुलेंस टीम ने डंपर के घायल

ड्राइवर को लोगों की मदद से तत्काल निकालकर सनावद के अस्पताल में भर्ती कराया।

वही एक ओर घर में चोरी का मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सलूजा कॉलोनी में हुआ। यहां एक बेटी ससुराल से गहने लेकर मायके आई थी। रात में परिवार घर में सोता रह गया और चोर करीब चार तोले सोने के जेवर चुराकर फरार हो गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरु की। शंका पर पुलिस ने परिवार के ही एक लड़के को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की।पीड़िता गुलबासा निवासी गोगांवा ने बताया कि मेरी शादी गोगांवा में हुई है। मैं छुट्टी मनाने के लिए खंडवा अपने मायके आई थी, मुझे अपने हार की रिपेयरिंग भी करवानी थी, शनिवार की रात में सोनार की दुकान से अपना हार ठीक करवाकर लेकर आई थी। रात करीब दो बजे हमने सभी सामान पेटी में रखा था।सुबह जब मैं वापस गोगांवा जाने के लिए तैयार हुई तो देखा पेटी खाली थी। हार का डिब्बा गायब था, जिसमें पेंडल, सोने की झूमकी, एक तोले का पेंडिल करीब चार तोला सोना गायब था।

कोतवाली थाना क्षेत्र में फिर चोरी की वारदात हुई।फरियादिया निता सिंह पति रोनाल्ड सिंह निवासी मिशन कंपाउंड गणेश तलाई की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरु की है।

फरियादिया ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वो और उनके पति 28 दिसंबर की रात करीब आठ बजे घर में ताला लगाकर नागपुर रिश्तेदारी में चले गए थे। चार दिसंबर की शाम पांच बजे घर आए। यहां देखा तो घर के लोहे के चद्दर का दरवाजा नीचे से टूटा हुआ था।

घर में रखे पुराने इस्तेमाली लैपटाप व सोने की पांच जोड़ कान के टाप्स, एक सोने की चेन, एक जोड़ चांदी की पायल कुल किमती 65000 रुपये की कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया।

कुछ दिन पूर्व कोतवाली थाना क्षेत्र के शहीद सीताराम होकर्स जोन में करीब 5 दुकानों के ताले टूटे थे। यहां से बदमाश चिल्लर चोरी कर सामान नाले में फेंक गए थे। दुकानदारों ने शिकायत कोतवाली थाने में की थी। लेकिन अब तक बदमाशों का कोई पता नहीं चल पाया है। इससे दुकानदारों और शहरवासियों में खौफ है।

रॉड और गोली मार कर की गई 4 लोगों की हत्या, छह गिरफ्तार

सिंगरौली। सिंगरौली पुलिस ने एक चार लोगों की हत्या का पर्दाफाश करते हुए हत्या के छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चार जनवरी को सेप्टिक टैंक में चार शव मिलने की घटना ने जिले को हिला दिया था। सिंगरौली के बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम बडोखर में सुरेश कुमार प्रजापति के मकान के पीछे ये सेप्टिक टैंक मौजूद है। जांच के दौरान मृतकों के शरीर पर गंभीर चोट और गनशॉट के निशान मिले थे।

शव मिलने पर मौके पर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा और उनकी टीम पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद सभी मृतकों की पहचान हुई। सभी नए साल की पार्टी मनाने घर से निकले थे। इनकी की गई थी हत्या

1. करण साहू (32 वर्ष) निवासी बढ़ौना, जिला सीधी।
2. पप्पू उर्फ जोगिंदर महतो (33 वर्ष) निवासी रामगढ़, झारखंड।
3. राकेश सिंह उर्फ सोनू (24 वर्ष) निवासी मड़वास, जिला सीधी।
4. सुरेश प्रजापति निवासी लक्ष्मी मार्केट, जयंत।

रॉड और गोली मारकर हत्या

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित राजा रावत और मृतक जोगिंदर महतो के बीच पुरानी रंजिश थी। राजा रावत और उसके साथियों ने पिस्टल और रॉड से वार कर इन चारों की हत्या की। पुलिस ने आरोपित राजा रावत (25 वर्ष) समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक खाली मैग्जीन बरामद की गई।इन आरोपितों को किया गया गिरफ्तार

1. राजा रावत (नेहरू गेट, जयंत)।
2. बुद्धसेन साकेत (सिंगाही)।
3. हरिश्चंद्र साकेत उर्फ शुभम।
4. रोहित साकेत।
5. नीरज साकेत।

डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर अपराध पीआईएमआर ने शुरू किया बचाव का मिशन

इंदौर। भारत में साइबर अपराधों ने डिजिटल सुरक्षा को गंभीर चुनौती दी है, जहां साल 2024 की पहली छमाही में ही 11,000 करोड़ से अधिक की धनराशि साइबर धोखाधड़ी में गवां दी गई। इन खतरनाक आंकड़ों और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे नए तरह के घोटालों से निपटने के लिए प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर) की महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ भूमिका ने छात्रों और समाज को जागरूक करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया। सत्र को संबोधित करते हुए इंदौर के अतिरिक्त डीसीपी (अपराध) राजेश डंडोतिया ने बताया कि भारत में हर पांच मिनट में एक साइबर अपराध दर्ज होता है। उन्होंने कहा, ÷दुर्भाग्यवश, कई पीड़ित, जिनमें उच्च शिक्षित पेशेवर भी शामिल हैं, शर्मिंदगी और सामाजिक कलंक के डर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करते। इस वजह से सैकड़ों मामले और करोड़ों रुपये के नुकसान की रिपोर्ट नहीं हो पाती है, जिससे धोखेबाजों के हौसले बढ़ते हैं। डंडोतिया ने तुरंत शिकायत दर्ज करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने से पीड़ितों के खातों को तुरंत फ्रीज किया जा सकता है और धन की वसूली की संभावना बढ़ाई जा सकती है।

उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को अनजान कॉल का जवाब देने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और डिजिटल सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी।

एआई और साइबर अपराधों का खतरनाक गठजोड़- डंडोतिया ने सत्र के दौरान बताया कि एआई की मदद से साइबर अपराधों में बड़ा उछाल देखा गया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ढ्ढ4ष्ट) के आंकड़ों के अनुसार, देश में हर दिन ?60 करोड़ की धनराशि साइबर धोखाधड़ी में गवांई जा रही है। डिजिटल गिरफ्तारी÷ घोटाले में ही ?120.3 करोड़ का नुकसान दर्ज किया गया है। प्रतिदिन 6,000 से अधिक शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर दर्ज की जाती हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि असली संख्या इससे कहीं अधिक है।

पीआईएमआर का डिजिटल सुरक्षा में योगदान

सत्र के दौरान, पीआईएमआर ग्रुप डायरेक्टर, डॉ. एस. एस. भाकर ने भूमिका प्रकोष्ठ की सराहना करते हुए कहा, ÷साइबर अपराध केवल वित्तीय नुकसान नहीं पहुंचाते, वे तकनीक और संस्थानों में जनता के भरोसे को भी कमजोर करते हैं। ऐसे जागरूकता सत्र डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए बेहद जरूरी हैं।

उन्होंने कहा की प्रेस्टीज संस्थान का या प्रयास समाज में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, खासकर ऐसे समय में जब साइबर अपराध और धोखाधड़ी के नए-नए तरीके तेजी से विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया ड्रोन प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में ड्रोन प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण केंद्र मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब और कस्तूरबा ग्राम ट्रस्ट के संयुक्त उपक्रम से प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि के कारण ड्रोन टेक्नोलॉजी को देश में बढ़ावा मिला है। नमो ड्रोन दीदी जैसी योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि नवीन तकनीकों को अपनाने में भारत अग्रणी बन रहा है। आज के समय में खेतों में दवा छिड़काव से लेकर अन्य अनेक ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ ड्रोन टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब के श्री मिलिंद महाजन से कहा कि वे पूरे मध्यप्रदेश के लिए मास्टर ट्रेनर तैयार करने की योजना बनाएँ। प्रदेश का विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विभाग इस दिशा में समन्वय करेगा। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ,महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक द्वय श्री मधु वर्मा एवं श्री रमेश मेंदोला, कस्तूरबा ग्राम ट्रस्ट के श्री करुणाकर त्रिवेदी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों का श्री मिलिंद महाजन और श्री मुकेश हजेला ने स्वागत किया।

ड्रोन के साथ होगी मध्यप्रदेश की प्रगति की भी नई उड़ान- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं भी ड्रोन उड़ाकर देखा। ड्रोन उड़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यह प्रतीकात्मक रूप से दिखाया कि मध्यप्रदेश भी इसी तरह विकास की नई ऊंचाइयों की उड़ान भर रहा है।

याग्निक परिवार के बीच पहुँचे मुख्यमंत्री ने दिया वर-वधू को आशीर्वाद

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज सायंकाल इंदौर में याग्निक परिवार में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में पहुँचे। उन्होंने वधु वरुषा एवं वर यश को आशीर्वाद दिया। नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी इस अवसर पर उनके साथ थे।

गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना में आवेदन प्रारंभ

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित गाँव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राएं गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। छात्राएं पोर्टल https://hescholarship.mp.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिवों एवं शासकीय/ अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये है।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

इंदौर। स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी युवा दिवस के रूप में मनाया जायेगा ।

युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार के आयोजन किये जायेंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रात- 9 से प्रात 10:30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा।

सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

शिक्षण संस्थाओं में होने वाले सामूहिक सूर्य-नमस्कार में मंत्रीगण, सांसद, महापौर, अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, अध्यक्ष नगर पालिका एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में कक्षा-6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में शामिल विद्यार्थियों को योग और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा।

इंदौर में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र का गौरव कला संकुल मई माह में होगा पूर्ण

इंदौर। इंदौर में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मई माह में एक बड़ी सौगात मिलेगी। इंदौर में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र का गौरव कला संकुल मई माह में बनकर पूरी तरह से तैयार हो जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज इंदौर में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत निर्माणाधीन इस कला संकुल का अवलोकन किया । अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह संकुल एमजी रोड पर मराठी स्कूल की जमीन पर इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है। कला संकुल परिसर के निर्माण का काम अंतिम चरण में है। इस संकुल की लागत 55 करोड़ रुपये से अधिक है।

अवलोकन के दौरान पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, कलेक्टर श्री आशीष सिंह,नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा,स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

इस अवसर पर श्रीमती महाजन ने मुख्यमंत्रीजी को कला

संकुल के बारे में बताया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इंदौर में तैयार हो रहे कला क्षेत्र के इस बड़े गौरव की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव को कलेक्टर श्री आशीष सिंह और श्री दिव्यांक सिंह ने कला संकुल की प्रगति के बारे में बताया।

इन्दौर नगर निगम द्वारा इन्दौर शहर में कला क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास को ध्यान में रखते हुए शहर के कला एवं संस्कृति क्षेत्र से जुड़े अनेक कलाकारों के लिये उचित संस्थान देने हेतु यह संकुल तैयार किया जा रहा है। इससे शहर की अपनी पौराणिक कला एवं संस्कृति क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन देने हेतु इन्दौर नगर निगम द्वारा जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन एवं कला व संस्कृति से जुड़े कलाकारों के साथ विचार-विमर्श कर शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित जीर्ण-शीर्ण मराठी स्कूल भवन की उक्त भूमि पर सर्वसुविधा युक्त इससे कला संकुल की परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कला संकुल का निर्माण अंतिम चरण में है, अगले मई माह में इस कला संकुल का निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा। इसके तैयार होने से शहर एवं देश-प्रदेश से जुड़े कलाकारों को सांस्कृतिक और कला गतिविधियों के आयोजन के लिये बेहतर मंच मिल सकेगा।

बताया गया कि यह संकुल एक लाख 70 हजार वर्गफीट से ज्यादा जमीन पर तैयार हो रहा है। तलघर के अलावा इसमें तल मंजिल,प्रथम मंजिल, द्वितीय मंजिल तथा तृतीय मंजिल है। इसमें 11850 स्क्वायर फीट का ओपन एयर एम्फीथियेटर बनाया गया है। इसकी क्षमता 500 की है। इसी तरह 6620 वर्ग फीट में एक मल्टीपरपज हॉल बनाया गया है, इसकी क्षमता 400 है। इसी तरह 550 दर्शकों की क्षमता का 7230 वर्ग फीट में ऑडिटोरियम भी निर्मित किया गया है। साथ ही 1313 वर्ग फीट में आर्ट गैलरी, 9092 वर्गफीट में डाँस एण्ड ड्रामा हॉल, 1314 वर्ग फीट में लायब्रेरी बनायी गयी है। भवन में रेस्टोरेंट और फूड कोर्ट की व्यवस्था भी रहेगी। मराठी कला संकुल में होने वाले सांस्कृतिक व अन्य आयोजनों में आने वाले कलाकारों के ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था होगी। यहाँ 08 शयनकक्षों का निर्माण किया गया है एवं इसके अलावा 20-20 व्यक्तियों के ठहरने के लिये 04 डोरमेट्री भी तैयार की गयी है। कला संकुल की साज-सजावट और उसे अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है। तलघर में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। पार्किंग का एक प्रवेश द्वार एम.जी.रोड़ मुख्य मार्ग पर और एक द्वार शिवाजी मार्केट मार्ग पर होगा। भवन में भव्य प्रवेश पोडियम एवं स्वागत क्षेत्र का निर्माण किया गया है। संकुल का सुचारू रूप से संचालन एवं संधारण करने हेतु कला संबंधी दुकानों का निर्माण किया गया है, जिसमें 300-400 वर्ग फीट की 09 दुकानें एवं 1600 वर्ग फीट के डबल हाईट 04 शोरूम का निर्माण किया गया है। संकुल में लिफ्ट की व्यवस्था भी है। साथ ही गर्मी और उमस से बचाव के लिये एसी लगाये जाने की व्यवस्था है। सर्व सुविधायुक्त 20 शौचालयों का निर्माण किया गया है। कलाकारों के लिये ग्रीन रूम, फोटो गैलेरी, संगीत एवं कला संबंधी पुस्तकालय, नृत्य एवं नाट्यों के अभ्यास हेतु 04 अभ्यास कक्ष एवं बहुउद्देशीय हॉल का प्रावधान है।

जय श्री महाकाल ...

अवन्तिकायाम विहित्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

वर्षों पुरानी वार्ड 12 की पट्टा संबंधित समस्या का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कैबिनेट में किया निराकरण - विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा

उज्जैन। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर के अंतर्गत सोमवार को वार्ड क्रमांक 12 कालिदास उद्यान एवं वार्ड क्र. 25 अन्तर्गत शा. सालीग्राम तोमर विद्यालय में शिविर आयोजित किया गया। शिविर उज्जैन उत्तर के विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा के मुख्य आतिथ्य, एमआईसी सदस्य एवं क्षेत्रिय पार्षद वार्ड क्र. 25 डॉ. योगेश्वरी राठौर, क्षैत्रिय पार्षद वार्ड क्र. 12 श्री छोटेलाल मण्डलोई एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

वार्ड क्र. 12 में आयोजित शिविर में उपस्थित नागरिकों को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा ने कहा कि क्षेत्रीय नागरिकों की वार्ड 12 की पट्टा संबंधित समस्या जो कि वर्षों पुरानी है जिसे आज मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कैबिनेट में महत्वपूर्ण

निर्णय लेते हुए सभी को पट्टा वितरण करने के निर्देश प्रदान किए है। विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा द्वारा शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी तथा विद्युत वितरण कंपनी से सम्बंधित समस्या का शिविर में ही निदान कराया गया।

शिविर में आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा महिलाओं की बाल विकास विभाग राजस्व विभाग वित्त विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय एवं निशक्त कल्याण विभाग मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ,अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना, दिव्यांग छात्रावास आदि योजनाओं की जानकारी नागरिकों एवं हितग्राहियों को देकर अधिक से अधिक शिविर का लाभ लेने हेतु निवेदन किया।

शिविर में हितग्राहियों को नामांतरण स्वीकृति पत्र, ट्रेड लायसेंस महिलाओं में बाल विकास लाड़ली लक्ष्मी योजना के पत्र वितरण किए गए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्री छोटे लाल मंडलोई, पार्षद गजेंद्र हिरवे, भाजपा उपाध्यक्ष श्री जगदीश पांचाल, मंडल अध्यक्ष मुक्तक गोस्वामी ,अजय तिवारी,पूर्व पार्षद गिरीश शास्त्री,सुनील डागर,नवीन यादव, बादल गुप्ता उपायुक्त मनोज मौर्य जोनल अधिकारी डीएस परिहार एवं क्षेत्र के नागरिक गण उपस्थित रहे। वार्ड क्र. 25 में मंडल अध्यक्ष श्री रितेश जटिया, श्री अजय तिवारी, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, जोनल अधिकारी श्री दीपक शर्मा एवं क्षेत्र के नागरिकगण उपस्थित रहें।

गुरू सप्तमी महोत्सव में निकली रथयात्रा

धर्मालुजन भक्ति से झूम उठे, रथयात्रा में भगवान एवं गुरूदेव को विराजमान किया, भक्तों द्वारा चावल से बधाकर गहुली की

उज्जैन। त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ नयापुरा के तत्वावधान में परम पूज्य गुरूदेव श्रीमद् विजय राजेंद्र सूरिश्वरजी मसा की 198वीं जन्म जयंती एवं 118वां स्वर्गारोहण दिवस गुरू सप्तमी महोत्सव धर्मालुजनों द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

श्रीसंघ के प्रचार मंत्री राजेंद्र पगारिया एवं राजेंद्र पटवा ने बताया कि सुबह मंदिर में भक्तांबर पाठ एवं गुरूगुण इक्कीसा का पाठ किया गया। पश्चात भव्य रथयात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई मंदिरजी पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हुई। धर्मसभा का संचालन राजेश पगारिया ने किया। सभा में संघ अध्यक्ष सुरेश पगारिया, प्रकाश गादिया, कपिल सकलेचा, राजमल चत्तर, विजय गादिया, संजय सकलेचा, अतुल चत्तर, मनीष पीपाड़ा, पुष्पेंद्र जैन, पिंकी सकलेचा ने गुरू के गुणों की व्याख्या की। अतिथि के रूप में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं रजत मेहता उपस्थित रहे। अतिथि स्वागत पारस गादिया, अशोक चत्तर, योगेश पगारिया, विपीन गादिया, गौरव लुक्कड़, महिला परिषद अध्यक्ष सुशीला सकलेचा, लक्ष्मी आचलिया, बहु परिषद अध्यक्ष मंगला डागी, रेखा चत्तर, नवयुवक परिषद अध्यक्ष आशीष पीपाड़ा, आनंद चत्तर एवं तरूण परिषद अध्यक्ष यश सकलेचा एवं ऋषभ चत्तर ने किया। इस अवसर पर नवयुवक तरूण परिषद द्वारा मंदिर की आकर्षक सजावट की गई। बहुपरिषद द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई। महिला परिषद द्वारा दीपकों से रोशनी की गई। रथयात्रा में धर्मालुजन भक्ति से झूम उठे, रथयात्रा में भगवान एवं गुरूदेव को विराजमान किया गया। भक्तों द्वारा चावल से बधाकर गहुली की गई। गुरूदेव की महाआरती 108 दीपक से की गई।

संदीप सृजन म.प्र. लेखक संघ के डॉ देवेन्द्र जोशी स्मृति सम्मान से सम्मानित

उज्जैन। मध्य प्रदेश लेखक संघ भोपाल द्वारा आयोजित 31वें वार्षिक समारोह में उज्जैन के युवा कवि एवं पत्रकार श्री संदीप सृजन को डॉ देवेन्द्र जोशी हिंदी-मालवी सेवी सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया।

श्री सृजन को यह सम्मान भव्य आयोजन में पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा, रविन्द्रनाथ टेगौर वि.वि. के कुलपति संतोष चौबे, डॉ. उमाशंकर पचौरी, लेखक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी, डॉ. रामवल्लभ आचार्य, ऋषि शृंगारी, मनीष बादल, सीमा देवेन्द्र, डॉ हरीमोहन बुधोलिया आदि ने प्रदान किया।

एशियन ग्लोबल कप में उज्जैन के आदित्य देवड़ा बने एशियन चैम्पियन

उज्जैन। एशियन ग्लोबल कप में उज्जैन के आदित्य देवड़ा ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 12 देशों के 40 प्रतिभागियों के बीच प्रतियोगिता में भारत का ध्वज विदेशी धरती कजाकिस्तान पर लहराया।

कज़ाकिस्तान में हुए एशियन ग्लोबल कप प्रतियोगिता में उज्जैन के आदित्य देवड़ा मध्यप्रदेश, भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए नवीन एशियन चैम्पियन बने। 1937 में बनी हेयर इंडस्ट्री की आर्गेनाईजेशन सीएमसी केट वर्ल्ड का मुख्य कार्यालय इटली में है। जिसमें दुनियाभर के 50 देश जुड़े हैं, 2023 में भारत भी इससे जुड़ा। इसमें पहली बार भारत से 15 सदस्यीय टीम के साथ कज़ाकिस्तान में एशियन ग्लोबल कप में हिस्सा लिया। भारत में करीब एक करोड़ हेयर आर्टिस्ट, 40 लाख हेयर ड्रेसर, 30 लाख ब्यूटीशियन, 5 लाख नेल आर्टिस्ट हैं। इन सबके बीच से श्रेष्ठ 15 आर्टिस्ट 3 स्टेट, 10 शहर से भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे थे। उज्जैन के आदित्य ने जेंट्स बर्बरिंग में चयनित होकर अपना हूनर दिखाते हुए भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में इटली, टर्की, चायना, कजागिस्तान, उज़्बेकिस्तान, रशिया, इंग्लैड, स्कॉटलैंड, भारत सहित 12 देशों की टीमें सम्मिलित हुई थी जिनके बीच आदित्य ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और एशियन चैम्पियन बने।

गुरुसप्तमी महोत्सव पर अन्न दान, निकाला गुरुदेव का भव्य वरघोड़ा

उज्जैन। जिनकी जन्म जयंती एवं स्वर्गारोहण दिवस एक ही दिन गुरु सप्तमी को आता है, ऐसे दादा गुरुदेव श्रीमद विजय राजेन्द्र सूरीश्वर जी महाराज का जैन समाज द्वारा 198वीं जन्म जयंती एवं 118वां स्वर्गारोहण दिवस गुरु सप्तमी महोत्सव के रूप मे विभिन्न धर्मिक आयोजनो के साथ मनाया गया।

श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञानमन्दिर नमकमंडी में इस अवसर पर प्रातः पूजन, पक्षाल के पश्चात पूज्य गुरुदेव का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के सरक्षक, ट्रस्टी के साथ ही अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक, महिला बहू एवं तरूण परिषद के सभी सदस्य गुरुदेव के भजन गाते हुए एवं चावल की गहुली करते हुए वरघोड़े में शामिल हुए। ज्ञानमन्दिर से प्रारम्भ वरघोड़ा प्रमुख मार्गों में जयघोष करता हुआ मोती महल धर्मशाला पर सम्पन्न हुआ जहाँ गुरुदेव के गुणों ओर उपदेशो पर गुरु गुणानुवाद सभा आयोजित की गयी।

श्री संघ अध्यक्ष राजबहादुर मेहता ने स्वागत उदबोधन द्वारा सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। सचिव संजय कोठारी द्वारा सभा का संचालन किया। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, श्रीसंघ सरंक्षक माणकलाल गिरिया, गुणमाला नाहर, मदनलाल रुनवाल, जया नाहर, मनीष कोठारी, विनती कुचेरिया, धुर्मी तातेड़ ने अपने उदबोधन में गुरुदेव के अनुपम संयम, कठिन तपस्या, विभिन्न संघर्षों के बाद भी मिथ्यात्व को समाज से दूर कर सही विधि बताने के दृष्टांतो का ओर प्रभावी जीवन का स्मरण करते हुए उनके धर्म, समाज एवं तीर्थो के लिए किये गए कार्यों के साथ ही गुरुदेव द्वारा रचित विश्व विख्यात ग्रन्थ अभिधान राजेन्द्र कोष का विश्लेषण करते हुए सभी को उनके सिधान्तो का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। दीपक डागरिया ने आभार प्रदर्शन किया।

दोपहर में लाभार्थी परिवार मंजू बाबूलाल चौधरी परिवार, तरुणा आशीष नाहर, अर्चना पंकज चोरडिया, वंदना कल्पेश कुचेरिया, कामना विशाल तांतेड़ परिवार द्वारा पूज्य गुरुदेव की गुरुपद महापूजन पढ़ाई गई, विधिकारक बृजेश श्रीश्रीमाल, संगीतकार राजेंद्र पटवा एवं विकास पगारिया द्वारा पूर्ण विधि विधान एवं संगीत के साथ पूजा पूर्ण की गई।

मीडिया प्रभारी नितेश नाहटा एवं वीरेन्द्र गोलेचा ने बताया कि लाभार्थी परिवार द्वारा आरती के साथ ही सुबह नवकारसी एवं दोपहर में स्वामीवात्सल्य के साथ सकल श्री संघ की साधार्मिक भक्ति का भी लाभ लिया गया। इस अवसर पर रोगी कल्याण समिति जिला चिकित्सालय में मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन वितरण की व्यवस्था की गई एवं अन्य दान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 'महायोगी गोरक्षनाथ लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया

उज्जैन। भारतवर्ष के 6 प्रदेशों के 15 जिलों से चयनित प्रतिष्ठित साहित्यकार, कवि, गायन कलाकार, शिक्षक, समाज सेवक, पत्रकार, मेधावी छात्र-छात्रा एवं अन्य प्रतिभाओं को इंदौर की प्रतिष्ठित संस्था मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स, भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड 'गोरक्ष शक्तिधाम सेवार्थ फाउण्डेशन' इंदौर द्वारा तृतीय 'अखिल भारतीय सारस्वत सम्मान समारोह' का आयोजन सामाजिक शोध संस्थान परिसर उज्जैन में संपन्न हुआ।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रभारी राज्य मंत्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज, महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद महाराज के कर कमलों से फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशित 'अध्यात्म प्रवाह' हिंदी मासिक पत्रिका का विमोचन किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com